

केंद्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग

सत्रांत परीक्षा 2018-19

हिंदी

कक्षा-नवीं

निर्धारित समय: 3-घंटे

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश:-

इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं- क,ख,ग एवं घ।

चारोंखंडों के उत्तर देना अनिवार्य है। सभी खंडों के समक्ष अंक प्रदान किए गए हैं।

यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड- क

प्र.1- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(1x2)+(2x3)=8

ज़िंदगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जीवन का हर जगह पर एक घेरा डालता है, वह अन्ततः अपने ही घेरों के बीच कैद हो जाता है और ज़िंदगी का कोई मजा उसे नहीं मिल पाता; क्योंकि जोखिम से बचने की कोशिश में, असल में उसने ज़िंदगी को ही आने से रोक रखा है। ज़िंदगी के अंत में, हम उतना ही पाते हैं जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं। यह पूँजी लगाना ज़िंदगी के संकटों से सामना करना है। उसके उस पन्ने को उलटकर पढ़ना है, जिसके सभी अक्षर फूलों से नहीं काँटों से लिखे गए हैं। ज़िंदगी का भेद कुछ उसे ही मालूम है जो यह जानकर चलता है कि ज़िंदगी कभी भी खत्म न होने वाली चीज है। अरे! ओ जीवन के साधकों! अगर किनारे की मरी सीपियों से तुम्हें संतोष हो जाए तो समुद्र की गहराई में छिपे मोती के खजाने को कौन बाहर लाएगा? कामना का आँचल छोटा मत करो, ज़िंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ो. रस की निर्झरी तुम्हारे बहाए ही बह सकती है।

(क) सकुशल जीने का इच्छुक व्यक्ति कैसे सुखी रहता है?

(ख) 'फूल और काँट' किसके प्रतीक हैं?

(ग) जीवन के साधक को क्या प्रेरणा दी जाती है?

(घ) रस की निर्झरी कैसे बह सकती है?

(ङ) ज़िंदगी का मजा किसे नहीं मिल पाता और क्यों?

प्र.2- निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(1x3)+(2x2)=7

शैशव के सुंदर प्रभात का, मैंने नव विकास देखा।
यौवन की मादक लाली में, जीवन का हुलास देखा।
जीवन में न निराशा मुझको, कभी रुलाने को आई।
जग झूठा है यह विरक्ति भी, नहीं सिखाने को आई।
अरि दल की पहचान कराने, नहीं घृणा आने पाई।
नहीं अशांति हृदय तक, अपनी भीषणता लाने पाई।
मैंने सदा किया है, सबसे मधुर प्रेम का ही व्यवहार।
विनिमय में पाया सदैव ही, कोमल अतंस्तल का बयार।
मैं हूँ प्रेममयी, जग दिखता मुझे प्रेम का पारावार।
भरा प्रेम से मेरा जीवन, लुटा रहा है निर्मल प्यार।
मैं न कभी रोई जीवन में, रोता दिखा न यह संसार।
मृदुल प्रेम के ही गिरते हैं, आँखों से मोती दो-चार।

- (क) 'शैशव के सुंदर प्रभात' से कवयित्री का आशय किससे है?
- (ख) कौन-सी विरक्ति कवयित्री नहीं सीख पाई?
- (ग) 'अरिदल' का क्या अर्थ है?
- (घ) 'मैं हूँ प्रेममयी, जग दिखता मुझे प्रेम का पारावार' से कवयित्री का क्या आशय है?
- (ङ) 'जीवन में न निराशा मुझको, कभी रुलाने को आई' पंक्ति का क्या आशय है?

खण्ड- ख

प्र.3- निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1x4=4

- (क) 'अभि' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।
- (ख) 'पर्यावरण' शब्द से मूल शब्द तथा उपसर्ग अलग कीजिए।
- (ग) 'इक' प्रत्यय लगाकर दो शब्द बनाइए।
- (घ) 'नक्काशीदार' शब्द से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए।

प्र.4- निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1x3=3

- (क) 'हस्तलिखित' समस्त पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।
(ख) 'आजीवन' समस्त पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।
(ग) 'महान है जो आत्मा' सामासिक पद बनाते हुए समास का भेद लिखिए।

प्र.5-निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1x4=4

- (क) तुम दिल्ली जा रहे हो। (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए)
(ख) गीता अपने भाई से छोटी है। (निषेधवाचक वाक्य में बदलिए)
(ग) क्या वह सो रहा है? (विधानवाचक वाक्य में बदलिए)
(घ) अर्थ की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं?

प्र.6- निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1x4=4

- (क) यमक का अलंकार का एक उदाहरण लिखिए।
(ख) 'सुबरन को ढूँढ़त फिरै, कवि, व्यभिचारी, चोर' में अलंकार पहचान कर लिखिए।
(ग) 'पीपर पात सरिस मन डोला' में कौन-सा अलंकार है?
(घ) 'अनुप्रास अलंकार' का एक उदाहरण लिखिए।

खण्ड-ग

प्र.7-निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

2+2+1=5

सन 1857 ई. के विद्रोही नेता धुंधूपंत नाना साहब कानपुर में असफल होकर जब भागने लगे, तो जल्दी में अपनी पुत्री मैना को साथ न ले जा सके। देवी मैना बिठूर में पिता के महल में रहती थी; पर विद्रोह दमन के बाद अंग्रेजों ने बड़ी ही क्रूरता से उस निरीह और निरपराध देवी को अग्नि में भस्म कर दिया। उसका रोमांचकारी वर्णन पाषाण-हृदय को भी एक बार द्रवीभूत कर देता है। कानपुर में भीषण हत्याकांड करने के बाद अंग्रेजों का सैनिक दल बिठूर में नाना साहब का राजमहल लूट लिया गया; पर उसमें बहुत थोड़ी सम्पत्ति अंग्रेजों के हाथ लगी। इसके बाद अंग्रेजों ने तोप के गोलों से नाना सहब का महल भस्म कर देने का निश्चय किया। सैनिक दल ने जब वहाँ तोपें लगाईं, उस समय महल के

बरामदे में एक अत्यंत सुंदर बालिका आकर खड़ी हो गई। उसे देखकर अंग्रेज सेनापति को बड़ा आश्चर्य हुआ; क्योंकि महल लूटने के समय वह बालिका वहाँ कहीं दिखाई न दी थी।

(क) अंग्रेजों ने किसके महल को ध्वस्त करने के साथ ही बड़ी ही क्रूरता से किसको भस्म कर दिया?

(ख) अत्यंत सुंदर लड़की कौन थी? महल को लूटते समय बालिका कहाँ थी?

(ग) धुंधूपंत कानपुर से भागकर क्यों चले गए?

अथवा

बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र-सा आकर्षण होता है। कभी-कभी लगता है, जैसे सपने में सब देखा होगा। परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं। अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद पैदा हुई। मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की। हमारी कुलदेवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फरसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी। हिंदी का कोई वातावरण नहीं था। मेरी माता जबलपुर से आईं तब वे अपने साथ हिंदी लाईं। वे पूजा-पाठ भी बहुत करती थीं। पहले-पहल उन्होंने मुझको 'पंचतंत्र' पढ़ना सिखाया।

(क) लेखिका के परिवार में लड़कियों की स्थिति का क्या इतिहास रहा था? और क्यों?

(ख) किसकी प्रार्थना के फलस्वरूप लेखिका का जन्म हुआ और उन्हें क्या सहन नहीं करना पड़ा?

(ग) आपके विचार से वर्तमान में कन्या जन्म की क्या स्थिति है?

प्र.8- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

2x4=8

(क) कांजीहौस में पशुओं की हाज़िरी क्यों ली जाती होगी ?

(ख) पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भों को इंगित करने के लिए किया गया होगा?

(ग) उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों में किस प्रकार का भय रहता था?

(घ) लॉरेस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि 'मेरी छत पर बैठने वाली गौरिया लॉरेस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है'?

प्र.9-निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

2+2+1=5

देख आया चंद्र गहना।
देखता हूँ दृश्य अब मैं
मेड़ पर इस खेत की बैठा अकेला।
एक बीते के बराबर
यह हरा ठिगना चना,
बाँधे मुरैठा शीश पर
छोटे गुलाबी फूल का,
सज कर खड़ा है।
पास ही मिलकर उगी है,
बीच में अलसी हठीली
देह की पतली, कमर की है लचीली,
नील फूले फूल को सिर पर चढ़ा कर
कह रही है, जो छुए यह
दूँ हृदय का दान उसको।

(क) चंद्र गहना क्या है? कवि कहाँ बैठकर प्राकृतिक दृश्य देख रहा है?

(ख) 'हठीली' का मूल शब्द क्या है? यहाँ 'हठीली' क्यों कहा गया है?

(ग) 'हठीली', 'पतली', 'लचीली' शब्दों का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

अथवा

रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।

जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार।

पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे।

जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे॥

(क) कवयित्री ने कच्चे धागे की रस्सी तथा नाव का प्रयोग किसके लिए किया है?

(ख) कवयित्री किसे पुकार रही है तथा उसकी क्या इच्छा है?

(ग) 'करें देव भवसागर पार' में कौन-सा अलंकार है?

प्र.10- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

2x4=8

(क) इस संसार में सच्चा संत कौन कहलाता है?

(ख) किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?

(ग) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

(घ) कवि चंद्रकांत देवताले के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण-दिशा क्यों हो गई है?

प्र.11- लेखिका की नानी की आजादी के आंदोलन में किस प्रकार की भागीदारी रही?

4

अथवा

माटीवाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में सोचने का समय क्यों नहीं था?

खण्ड- घ

प्र.12- छात्रावास में रहने वाले अपने भाई को एक पत्र लिखकर प्रातःकाल नियमित रूप से योग

एवं प्राणायाम का अभ्यास करने के लिए प्रेरित कीजिए।

5

अथवा

आपके क्षेत्र में कूड़े-कचरे के ढेर लगे हैं, स्वच्छ-भारत अभियान का उल्लेख करते हुए नगर निगम

अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

प्र.13- निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए -

10

(क) जीवन में व्यायाम का महत्व

संकेत बिंदु : * शारीरिक स्वास्थ्य आवश्यक

- व्यायाम के लाभ
- सुंदर-स्वस्थ शरीर का स्वरूप
- मन पर अनुकूल प्रभाव
- समस्त आनंद का स्रोत-स्वस्थ शरीर
- निष्कर्ष

(ख) छात्र जीवन में अनुशासन का महत्व

संकेत बिंदु : * भूमिका

- * अनुशासनहीनता के दुष्परिणाम
- * अनुशासन की शिक्षा का प्रारंभ
- * अनुशासन सफलता की कुंजी
- * निष्कर्ष

(ग) पर्यावरण प्रदूषण

संकेत बिंदु : * भूमिका

- प्रदूषण के कारण और प्रकार
- प्रदूषण से हानि
- प्रदूषण रोकने के उपाय
- निष्कर्ष

प्र.14- सब्जी बिक्रेता और ग्राहक के मध्य संवाद लिखिए ।

5

-----XXXXXX-----